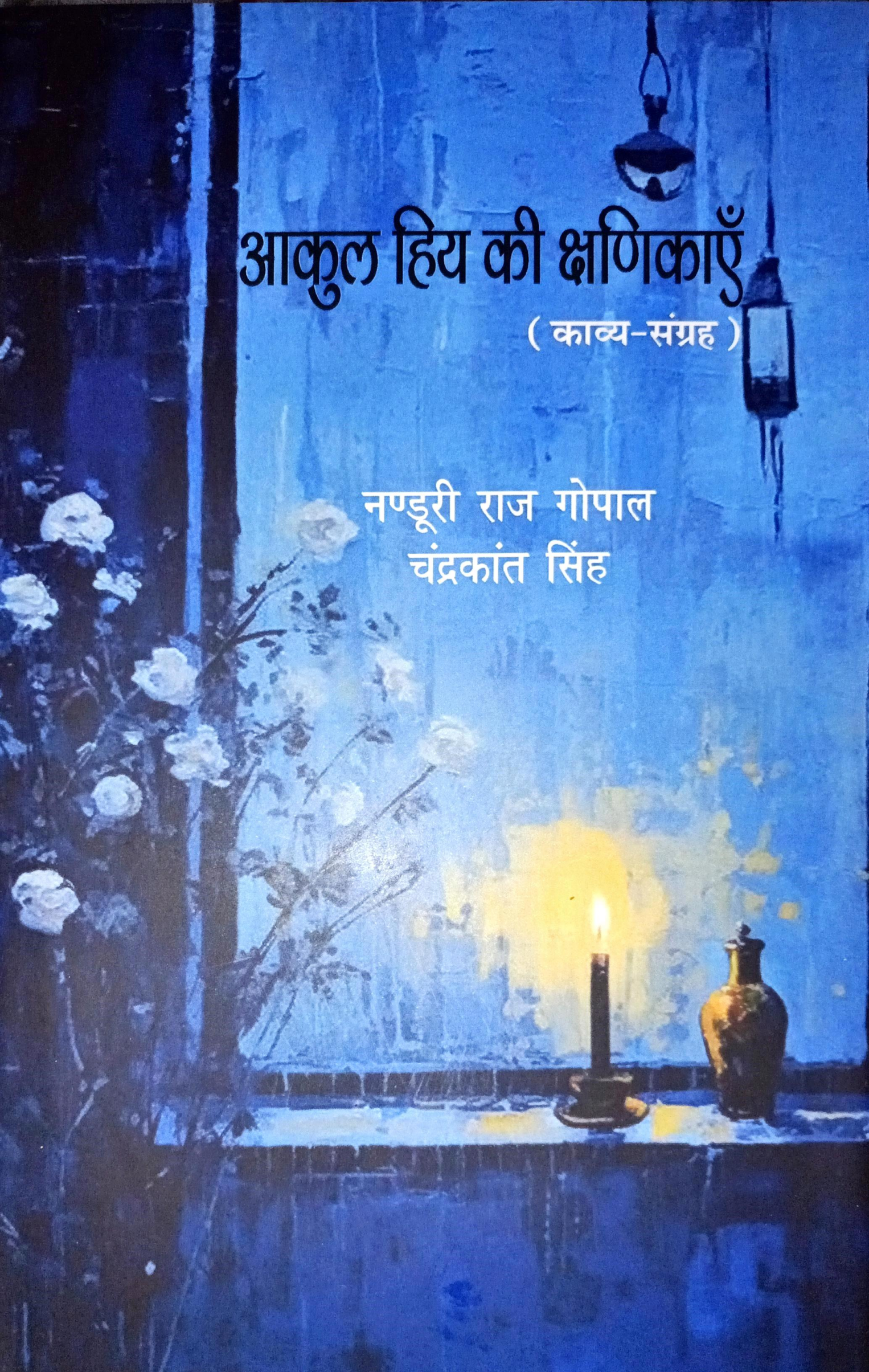

आकुल हिय की क्षणिकाएँ

(काव्य-संग्रह)

नण्डूरी राज गोपाल
चंद्रकांत सिंह

चंद्रकांत सिंह की कविताएँ

- एक बड़ा कवि होने की गवाही देती कविताएँ 81
- निःशब्द एकालाप... 85
- ग्रीष्म का आतप 89
- उसकी हँसी 91
- बूढ़ी स्त्री 92
- मनमौजी आलोचक 94
- कवि 95
- बाँझ औरत-1 96
- बाँझ औरत-2 97
- नामवर कवि 98
- आत्म-छवि 99
- दीया 100
- गंगा तट 101
- यात्रा 102
- अनाज के लिए 103
- पहाड़ की धूप 104
- गुरुवर सत्यप्रकाश मिश्र को याद करते हुए 105
- धुआँ-धुआँ सुलग रहा हूँ मैं 108
- प्रिय तुम नहीं.. 110
- शिक्षक दिवस पर 111
- गरीब की बिटिया 112
- चिंता 114
- मुक्ति की संभावना 116
- अधूरी कवितायें 117
- अंतहीन पतझड़ के बाद 118

आत्म-साक्षात्कार

मौन रहकर भी ध्वनित हूँ
अंदर तक भरा हूँ
फिर भी रिक्तता की अनुभूति है
कौन हूँ मैं ?
आख़िर कौन हूँ ?

❖❖❖